भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2113
21.12.2023 को उत्तर के लिए

खेत की पराली जलाना

2113. श्री कार्तिकेय शर्मा :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अक्टूबर, 2023 से अब तक राज्य-वार खेतों में पराली जलाने की कितनी घटनाएं हुई हैं;
(ख) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों में कई शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है, यदि हां, तो उन शहरों की सूची जहां हाल के वर्षों में हवा गुणवत्ता सूचकांक में वृद्धि हुई है;
(ग) सर्दियों के मौसम के दौरान उत्तरी क्षेत्र में वायु प्रदूषण के जिए जिम्मेदार विभिन्न कारकों का प्रतिशत योगदान क्या है; और
(घ) वायु प्रदूषण की रोकथाम और शमन में सरकार द्वारा किया गया कुल व्यय कितना है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क): एनसीआर और निकटवर्ती क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग ने दिल्ली एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक कार्यढांचा उपलब्ध कराया है जिसके तहत एनसीटी दिल्ली की वायु गुणवत्ता का प्रबंधन किया जाता है। दिनांक 01 अक्टूबर, 2023 से 30 नवंबर, 2023 के बीच दर्ज राज्यवार धान की पराली जलाने की घटनाएं इस प्रकार हैं:

पंजाब	हरियाणा	उत्तर प्रदेश-एनसीआर	राजस्थान एनसीआर	दिल्ली
36449	2228	209	2	4

सभी हितधारकों के ठोस प्रयासों और केंद्र सरकार द्वारा निरंतर निगरानी और समीक्षा के कारण, दिनांक 15 सितंबर से 30 नवंबर, 2023 के बीच धान की पराली जलाने की घटनाओं में वर्ष 2022 की इसी अवधि की तुलना में लगभग 27% की कमी देखी गई।

(ख): वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के आंकड़ों से पता चलता है कि हाल के समय में अर्थात् वर्ष 2023 के नवंबर महीने के दौरान, 4 शहरों नामत: मांडीखेड़ा, पलवल, अलवर और खुर्जा को छोड़कर, दिल्ली-एनसीआर के सभी शहरों में अन्य शहरों की तुलना में एक्यूआई की खराब, बहुत खराब और गंभीर श्रेणी के दिनों की संख्या अधिक है।

वर्ष 2022 के नवंबर महीने के दौरान एक्यूआई के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि 9 शहरों नामत: मांडीखेड़ा, पलवल, अलवर, खुर्जा, चरखीदादरी, करनाल नारनौल, पानीपत और हापुड़ को छोड़कर दिल्ली-एनसीआर के सभी शहरों में अन्य शहरों की तुलना में एक्यूआई की खराब, बहुत खराब और गंभीर श्रेणी के दिनों की संख्या अधिक है।

नवंबर 2023 के दौरान खराब वायु गुणवत्ता का कारण मौजूदा मौसम संबंधी स्थितियों और स्थानीय और क्षेत्रीय उत्सर्जन स्रोतों से होने वाले प्रदूषण को माना जा सकता है। वर्ष 2023 और 2022 के नवंबर महीने के लिए दिल्ली और एनसीआर शहरों के एक्यूआई का ब्यौरा क्रमशः **अनुबंध-I** और **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(ग): दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण, जो प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण सर्दियों के दौरान बढ़ जाता है, के प्रमुख स्रोतों में औद्योगिक प्रदूषण, वाहनीय प्रदूषण, निर्माण और विध्वंस गतिविधियों से धूल, सड़क और खुले क्षेत्रों की धूल, पराली जलाना, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट जलाना आदि शामिल हैं। वर्ष 2018 में प्रकाशित वर्ष 2016 के टीईआरआई-एआरएआई स्रोत संविभाजन अध्ययन के अनुसार, दिल्ली में पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर को बढ़ाने में विभिन्न स्रोतों का योगदान नीचे दिया गया है:

स्रोत	**% योगदान (पीएम 10)**		**% योगदान (पीएम 2.5)**	
	सर्दी	**गर्मी**	**सर्दी**	**गर्मी**
आवासीय	9%	8%	10%	8%
कृषि अवशेष को जलाना *	4%	7%	4%	7%
उद्योग	27%	22%	30%	22%
धूल (मिट्टी, सड़क, और निर्माण कार्य)	25%	42%	17%	38%
परिवहन	24%	15%	28%	17%
अन्य	10%	7%	11%	8%

नोट: उद्योगों में बिजली संयंत्र (स्टैक, फ्लाईऐश तालाब और कोयला हैंडलिंग इकाइयाँ), ईंट निर्माण, स्टोन क्रशर और अन्य उद्योग शामिल हैं। अन्य में डीजी सेट, कूड़ा जलाना, शवदाह गृह, हवाई अड्डा, रेस्तरां, भस्मक, लैंडफिल आदि शामिल हैं। धूल में प्राकृतिक और मानवजनित उत्पत्ति के स्रोत (मिट्टी, सड़क की धूल का पुनर्निलंबन और निर्माण गतिविधियां) शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से सीमा पार वायुमंडलीय आवागमन के माध्यम से भी धूल का योगदान होता है।

** यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इस अध्ययन में कृषि जलाने के योगदान को पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है क्योंकि निगरानी और मॉडलिंग अवधि में अक्टूबर का महीना शामिल नहीं है, जब पराली जलाने की गतिविधियाँ आम तौर पर अपने अधिकतम स्तर पर होती हैं। इसके अलावा, संपूर्ण मॉडलिंग/निगरानी अवधि के लिए क्षेत्रीय योगदान का औसत निकाला जाता है, और इसलिए, कृषि अवशेष जलाने, जो एक निश्चित संख्या में दिनों के दौरान होता है और कभी-कभी उच्च प्रदूषक सांद्रता का कारण बनता है, के योगदान पर प्रकाश नहीं डाला गया है।*

(घ): सरकार ने देश भर में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की कार्यनीति के रूप में वर्ष 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत, वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2023-24 (15 दिसंबर, 2023 तक) के दौरान 131 शहरों को, इन शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के उपाय करने हेतु, शहर कार्य-योजनाएं कार्यान्वित करने के लिए 9650 करोड़ रूपए की धनराशि जारी की गई है।

*****

अनुबंध-I

नवंबर, 2023 के दौरान दिल्ली और एनसीआर के शहरों में एक्यूआई की विभिन्न श्रेणियों में दिनों की संख्या

क्र.सं	शहर	अच्छा (0-50)	संतोषजनक (51-100)	मध्यम (101-200)	खराब (201-300)	बहुत खराब (301-400)	गंभीर (>401)	अच्छी गुणवत्ता वाले दिन	खराब गुणवत्ता वाले दिन
1	दिल्ली	0	0	0	4	17	9	0	30
2	भिवानी	0	0	4	9	17	0	4	26
3	चरखीदादरी	0	1	5	12	7	0	6	19
4	बल्लभगढ़	0	0	3	13	12	0	3	25
5	मानेसर	0	0	3	9	18	0	3	27
6	फरीदाबाद	0	0	2	2	17	9	2	28
7	गुरूग्राम	0	0	3	8	16	3	3	27
8	बहादुरगढ़	0	0	3	5	18	2	3	25
9	जींद	0	1	2	7	12	6	3	25
10	करनाल	0	1	10	11	6	0	11	17
11	नारनौल	0	0	5	12	10	2	5	24
12	मांडीखेड़ा	0	2	19	4	1	0	21	5
13	पलवल	0	3	17	7	1	0	20	8
14	पानीपत	0	0	12	9	7	0	12	16
15	धारूहेड़ा	0	0	6	6	18	0	6	24
16	रोहतक	0	1	2	5	20	2	3	27
17	सोनीपत	0	1	5	6	12	4	6	22
18	अलवर	0	3	13	13	0	0	16	13
19	भरतपुर	0	0	2	15	12	0	2	27
20	भिवाड़ी	0	0	1	8	16	5	1	29
21	बागपत	0	0	2	10	17	0	2	27
22	खुर्जा	0	9	14	5	1	0	23	6
23	बुलन्दशहर	0	1	6	18	4	0	7	22
24	नोएडा	0	0	2	5	19	4	2	28
25	ग्रेटर नोएडा	0	0	2	5	15	8	2	28
26	गाज़ियाबाद	0	0	2	8	18	2	2	28
27	हापुड़	0	0	4	14	11	0	4	25
28	मेरठ	0	0	2	5	22	1	2	28
29	मुजफ्फरनगर	0	0	7	21	2	0	7	23

अनुबंध-।।

नवंबर, 2022 के दौरान दिल्ली और एनसीआर शहरों में एक्यूआई की विभिन्न श्रेणियों में दिनों की संख्या

क्र.सं	शहर	अच्छा (0-50)	संतोषजनक (51-100)	मध्यम (101-200)	खराब (201-300)	बहुत खराब (301-400)	गंभीर (>401)	अच्छी गुणवत्ता वाले दिन	खराब गुणवत्ता वाले दिन
1	दिल्ली	0	0	0	12	15	3	0	30
2	भिवानी	0	2	8	14	3	2	10	19
3	चरखीदादरी	0	1	16	8	2	3	17	13
4	बल्लभगढ़	0	0	6	16	8	0	6	24
5	मानेसर	0	0	10	16	2	1	10	19
6	फरीदाबाद	0	0	1	15	12	2	1	29
7	गुरूग्राम	0	0	1	18	9	2	1	29
8	बहादुरगढ़	0	0	5	19	3	2	5	24
9	जींद	0	0	1	20	7	2	1	29
10	करनाल	0	3	14	9	2	0	17	11
11	नारनौल	0	2	19	8	1	0	21	9
12	मांडीखेड़ा	1	12	15	1	1	0	28	2
13	पलवल	2	19	7	0	0	0	28	0
14	पानीपत	2	19	7	0	0	0	28	0
15	धारूहेड़ा	0	0	1	12	9	1	1	22
16	रोहतक	1	1	9	15	1	2	11	18
17	सोनीपत	0	0	7	12	8	0	7	20
18	अलवर	0	18	9	3	0	0	27	3
19	भरतपुर	-	-	-	-	-	-	-	-
20	भिवाड़ी	0	0	10	13	5	2	10	20
21	बागपत	0	0	4	15	7	0	4	22
22	खुर्जा	0	3	17	9	1	0	20	10
23	बुलन्दशहर	0	0	8	21	1	0	8	22
24	नोएडा	0	0	6	13	9	2	6	24
25	ग्रेटर नोएडा	0	0	3	13	9	5	3	27
26	गाज़ियाबाद	0	0	5	13	10	2	5	25
27	हापुड़	0	0	18	8	1	0	18	9
28	मेरठ	0	0	3	24	3	0	3	27
29	मुजफ्फरनगर	0	0	6	14	6	0	6	20

*****